# राजपत्र, हिमाचल प्रदेश

## हिमाचल प्रदेश राज्य शासन द्वारा प्रकाशित

**शिमला, सोमवार, 6 सितम्बर, 2010 / 15 भाद्रपद, 1932**

### हिमाचल प्रदेश सरकार

**परिवहन विभाग**

अधिसूचना

शिमला–2, 03 सितम्बर, 2010

**संख्याः टी.पी.टी.–एफ (6)–2 / 2000.––**प्रारूप संशोधन नियम नामतः हिमाचल प्रदेश मोटर व्हीकलज़ (तृतीय संशोधन) नियम, 2010, मोटरयान अधिनियम, 1988 की धारा 212 के उपबन्धों के अनुसरण में समसंख्यक अधिसूचना तारीख 30–07–2010 द्वारा इनसे सम्भाव्य प्रभावित व्यक्तियों से मोटरयान अधिनियम, 1988 की धारा 212 के अधीन यथा अपेक्षित, इनके प्रकाशन की तारीख से 30 दिन की अवधि के भीतर आक्षेप और सुझाव आमन्त्रित करने के लिए राजपत्र, हिमाचल प्रदेश (असाधारण) में 3–08–2010 को प्रकाशित किए गए थे ।

2. विधित अवधि के भीतर प्राप्त सुझावों एवं आक्षेपों पर सरकार द्वारा विचार कर लिया गया है ।

3. अतः हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, मोटरयान अधिनियम, 1988 की धारा 211 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, हिमाचल प्रदेश मोटरयान नियम, 1999 में और संशोधन करने के लिए, निम्नलिखित नियम बनाते हैं:–

1. **संक्षिप्त नाम.––**इन नियमों का संक्षिप्त नाम हिमाचल प्रदेश मोटरयान (तृतीय संशोधन) नियम, 2010 है ।

2. **नियम 69–ख का प्रतिस्थापना**.––हिमाचल प्रदेश मोटर यान नियम, 1999 के विद्यमान नियम 69–ख के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात :–

**'69–ख, रजिस्ट्रीकरण नम्बर (चिन्ह) के आबंटन के लिये विशेष रजिस्ट्रीकरण फीस.–**हिमाचल प्रदेश राज्य में, समस्त रजिस्ट्रीकरण एवं अनुज्ञापन प्राधिकारियों द्वारा केन्द्रीय मोटरयान नियम, 1989 के नियम 81 के अधीन मोटरयानों के लिए निम्नलिखित रजिस्ट्रीकरण नम्बरों (चिन्हों) के आबंटन के लिए रजिस्ट्रीकरण फीस के अतिरिक्त, निम्नलिखित दरों पर विशेष रजिस्ट्रीकरण फीस प्रभारित की जाएगी:–

| क्र0सं0 | रजिस्ट्रीकरण चिन्ह | विशेष रजिस्ट्रीकरण फीस |
|---|---|---|
| 1. | 0001 | 75,000 / रुपए (पचहत्तर हजार रुपए) |
| 2. | 0002 से 0009 | 50,000 / रुपए (पचास हजार रुपए) |
| 3. | 0010 से 0100 | 35,000 / रुपए (पैंतीस हजार रुपए) |
| 4. | 0101 से 9999 | 20,000 / रुपए (बीस हजार रुपए) |

परन्तु क्रम संख्या 1 से 3 के सामने विनिर्दिष्ट विशेष रजिस्ट्रीकरण नम्बर (चिन्ह) पूर्णतः समादत्त नम्बर होंगे, और पहले आओ पहले पाओ, के आधार पर आबंटित किए जाएंगे । तथापि, जहां किसी विशिष्ट नम्बर के लिए एक से अधिक आवेदन प्राप्त होते हैं, वहां उसे लॉटरी के द्वारा आबंटित किया जाएगा :

परन्तु यह और कि रजिस्ट्रीकरण एवं अनुज्ञापन प्राधिकारी उपयोग न किए गए नम्बरों को राज्य सरकार के स्वामित्व वाले यानों को विशेष रजिस्ट्रीकरण फीस प्रभारित किए बिना आबंटित कर सकेगा :

परन्तु यह और कि क्रम संख्या 4 के सामने विनिर्दिष्ट रजिस्ट्रीकरण नम्बर की दशा में विशेष रजिस्ट्रीकरण फीस, केवल तभी प्रभारित की जाएगी यदि मोटर यान के स्वामी द्वारा क्रम संख्या 4 के सामने विनिर्दिष्ट रजिस्ट्रीकरण नम्बर में से किसी विशिष्ट राजिस्ट्रीकरण नम्बर के लिए चयन उपदर्शित किया जाता है, ऐसा न होने पर ये चिन्ह क्रमानुसार / कालानुक्रम में, पहले आओ, के आधार पर आबंटित किए जाएंगे । क्रम संख्या 4 के सामने विनिर्दिष्ट रजिस्ट्रीकरण नम्बर के प्रयोजन के लिए क्रमानुसार / कालानुक्रम रजिस्ट्रीकरण नम्बर 0101 से आगे प्रारम्भ होंगे :–

परन्तु यह और कि यदि कोई मोटर यान दुर्घटनाग्रस्त हो जाता है और बीमा कम्पनी द्वारा सम्यक, रूप से पूर्ण क्षति प्रमाणित की जाती है, तो उक्त मोटर यान के स्वामी से, नए यान हेतु उसी रजिस्ट्रीकरण नम्बर के लिए विहित विशेष फीस संदत्त करनी अपेक्षित नहीं होगी, यदि उसने बीमा कम्पनी द्वारा पूर्ण क्षति के प्रमाण–पत्र को जारी करने की तारीख से छह मास की अवधि के भीतर, नया यान क्रय कर लिया है :–

परन्तु यह और कि स्वामी, अपने यान के विक्रय के पश्चात केवल तभी अपने यान का रजिस्ट्रीकरण नम्बर रख सकेगा, जब विक्रीत यान को राजिस्ट्रीकरण और अनुज्ञापन प्राधिकारी द्वारा नया रजिस्ट्रीकरण नम्बर पुनः आबंटित कर दिया गया हो और पहला (प्राइमरी) नम्बर इस शर्त के अध्यधीन / अभ्यर्पित कर दिया गया कि स्वामी को रजिस्ट्रीकरण नम्बर के छोड़ने / अभ्यर्पित करने की तारीख से, दो मास के भीतर, नया यान रजिस्ट्रीकृत करवाना होगा । रजिस्ट्रीकरण नम्बर को रखे रखने के लिए, पहले स्वामी से कोई विशेष रजिस्ट्रीकरण फीस प्रभारित नही की जाएगी' ।

आदेश द्वारा,
हस्ता0 / –
प्रधान सचिव (परिवहन)।

[*Authoritative English Text of this department notification No. TPT-F*(6)2/2000*, dated* 03/09/2010 *as required under clause* (3) *of article* 348 *of the Constitution of India*].

**TRANSPORT DEPARTMENT**

NOTIFICATION

*Shimla*-2, *the* 3*rd September,* 2010

**No. TPT-F(6)2/2000.—**Whereas the draft Himachal Pradesh Motor Vehicles (Third Amendment) Rules, 2010 were published in the Rajpatra, Himachal Pradesh on dated 02/08/2010, *vide* notification of even number dated 30/07/2010 in pursuance of the provision of section 212 of the Motor Vehicles Act, 1988 (Act NO. 59 of 1988) for inviting objections and suggestion from person(s) likely to be affected thereby, within a period of 30 days from the date of publication;

2. And , whereas the Government has considered the objections/suggestions received from general public on the said draft rules.

3. Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 211 of the Motor Vehicles Act, 1988, (Act No. 59 of 1988), the Governor of Himachal Pradesh is pleased to make the following rules, namely:-

**1. Short title.—**These rules shall be called the Himachal Pradesh Motor Vehicles (Third Amendment) Rules, 2010.

**2. Substitution of rule-69-B.—**For the existing rule-69-B of the Himachal Pradesh Motor Vehicles Rules, 1999, the following shall be substituted, namely:-

**"69-B-Special Registration Fee for allotment of registration marks.—**There shall be charged a Special Registration Fee, in addition to the registration fee, prescribed under Rule-81 of the Central Motor Vehicles Rules, 1989, for allotment of the following registration marks to the Motor Vehicles by all Registering and Licensing Authorities in the State of Himachal Pradesh, at the following rates:-

| Sr.No. | Registration Mark | Special Registration Fee |
|---|---|---|
| 1. | 0001 | Rs. 75,000/- (Seventy five thousand) |
| 2. | 0002 to 0009 | Rs. 50,000/- (Fifty Thousand) |
| 3. | 0010 to 0100 | Rs. 35,000/- (Thirty five thousand |
| 4. | 0101 to 9999 | Rs. 20,000/- (Twenty Thousand) |

Provided that registration marks specified against Sr. No. 1 to 3 shall be totally paid numbers and shall be allotted on first come, first serve basis. However, where more than one application is received for a particular number, the same shall be allotted by draw of lots.

Provided further that the Registering and Licensing Authority may allot unutilized specified marks to the motor vehicles owned by the State Government without charging any special Registration Fee.

Provided further that in the case of registration marks specified against Serial number 4, Special Registration Fee shall be charged only if choice is indicated by the owner of the motor vehicle for any particular registration mark out of the registration marks specified against Serial number 4, failing which these marks shall be allotted on first come first serve basis in seriatum / chronological order. For the purpose of registration marks specified against serial number 4, the seriatum / chronological order shall start from registration marks 0101 onwards.

Provided further that in case of any motor vehicles meets with an accident and is a total loss duly certified by the Insurance Company, the owner of the said motor vehicle shall not be required to pay the special registration fee prescribed for the same registration number for a new vehicles only if he purchased the new vehicle within six month from the date of issuance of total loss certificate by the Insurance Company.

Provided further that the owner may retain the registration mark of his vehicle after the sale or scrapping of old vehicle only when the sold motor vehicle is re-assigned a new registration mark by the Registering and Licensing Authority and the primary number is vacated/ surrendered subject to the condition that the owner has to get the new vehicle registered within two months from the date of surrender/vacation of the registration number. For retaining the registration mark, no special registration fee shall be charged from the primary owner.

By order,
Sd/-
*Principal Secretary.*

---

## आयुर्वेद विभाग

अधिसूचना

शिमला–2, 3 सितम्बर, 2010

**संख्या आयु0–ए(3)–1 / 2009.**––हिमाचल प्रदेश की राज्यपाल, भारत के संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, हिमाचल प्रदेश आयुर्वेद विभाग में चपड़ासी वर्ग–4 (अराजपत्रित) के पद के लिए इस अधिसूचना के साथ सलंग्न उपाबंध–क के अनुसार, भर्ती एवं प्रोन्नति नियम, बनाती हैं, अर्थात्:–

**संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ** 1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम हिमाचल प्रदेश आर्युवेद विभाग, वर्ग.–4 (अराजपत्रित) भर्ती और प्रोन्नति नियम, 2010 हैं।

(2) ये नियम राजपत्र, प्रकाशित किए जाने की तारीख से प्रवृत्त होंगे।

**निरसन और व्यावृतिया** 2 (1) **इस** विभाग की **अधिसूचना** सख्या हैल्थ ए (3)-29/84 **तारीख** 25.03.1992 **द्वारा** अधिसूचित हिमाचल प्रदेश भारतीय चिकित्सा पद्धति और होम्योपैथी (आर्युवेद) विभाग, चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी (अराजपत्रित) भर्ती एवं प्रोन्नति नियम,1992 **का** एतद द्वारा निरसन किया जाता हैं।

(2) ऐसे निरसन के होते हुए भी उपर्युकत उप नियम(1) के अधीन **इस** प्रकार निरसित सुंसगत नियमों के अधीन की गई कोई **नियुक्ति,** बात या कार्रवाई इन नियमों के अधीन विधिमान्य रुप मे की गई समझी जाएगी।

**आदेश द्वारा,**

**प्रथान सचिव (आयुर्वेद)**

उपाबन्ध - "क"

**हिमाचल प्रदेश आयुर्वेद विभाग में चपड़ासी वर्ग.–4 (अराजपत्रित) के पद के लिए भर्ती एवं पदोन्नति नियम ।**

| | | |
|---|---|---|
| **1.** | **पद का नाम** | **चपड़ासी** |
| **2.** | पदों की संख्या | 1080 (एक हजार अस्सी ) |
| **3.** | वर्गीकरण | वर्ग.–4 (अराजपत्रित) |
| **4.** | वेतनमान | **(i) नियमित पदधारियों के लिए वेतनमान–**<br>रू0 4900-10680 जमा रू0 1300/– ग्रेड पे ।<br>**(ii) संविदा पर नियुक्त कर्मचारियों के लिए उपलब्धियां:**<br>संविदा पर नियुक्त कर्मचारियों को स्तम्भ संख्या 15-क में दिए गए ब्यौरे के अनुसार रू **6200**/- नियत वेतन संदत्त किया जाएगा । |
| **5.** | चयनित और गैर चयनित पद | लागू नहीं । |
| **6.** | आयु सीमा | 18 वर्ष से 45 वर्ष ।<br>परन्तु सीधी भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए उपरी आयु सीमा तदर्थ या संविदा के आधार पर नियुक्त किए गये व्यक्तियों सहित पहले से सरकार की सेवा में कार्यरत अभ्भार्थियों पर लागू नहीं होगी ।<br>परन्तु यह और कि यदि तदर्थ या संविदा के अधार पर नियुक्त किया गया अभ्यार्थी इस रूप में नियुक्ति की तारीख को अधिक आयु का हो गया हो तो वह तदर्थ या संविदा के आधार पर नियुक्ति के कारण विहित आयु में छूट के लिए पात्र नहीं होगा<br>परन्तु यह और कि अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जन जातियों तथा अन्य वर्गो के व्यक्तियों के लिए उच्चतम आयु सीमा में उतनी ही छूट दी जा सकेगी, जितनी हिमाचल प्रदेश सरकार के साधारण या विशेष आदेशों के अधीन अनुज्ञेय है :<br>परन्तु यह और भी की पब्लिक सैक्टर, निगमों तथा स्वायत निकायों के सभी कर्मचारियों को,जो ऐसे पब्लिक सैक्टर,निगमों तथा स्वायत निकायों के प्रारम्भिक गठन के समय ऐसे पब्लिक सैक्टर,निगमों/स्वायत निकायों में आमेलन से पूर्व सरकारी कर्मचारी थे,सीधी भर्ती में आयु की सीमा में एसी ही रियायत दी जायेगी जैसी सरकारी कर्मचारियों को अनुज्ञय है किन्तु इसी प्रकार की रियायत पब्लिक सैक्टर, निगमों तथा स्वायत निकायों के ऐसे कर्मचारियों बृन्द को नही दी जायेगी जो पश्चातवर्ती ऐसे नियमों/स्वायत निकायों द्वार नियुक्त किये गए थे/किये गए है और उन पब्लिक सैक्टर,निकायों/स्वायत निकायों के प्रारम्भिक गठन के पश्चात निगमों/स्वायत निकायों की सेवा में अन्तिम रूप में आमेलित किये गये है /किये गये थे ।<br>1. सीधी भर्ती के लिए आयु सीमा की गणना उस वर्ष के प्रथम दिवस से की जायेगी, जिसमें पद (पदों) को, आवेदन आंमन्त्रित करने के लिए यथास्थिति विज्ञपित किया गया है या नियोजनालयों को अधिसूचित किया गया है ।<br>2 अन्यथा सुअर्हित अभ्भयार्थियों की दशा में सीधी भर्ती के लिए आयु सीमा और अनुभव भर्ती प्राधिकारी के विवेकानुसार शिथिल किया जा सकेगा । |
| **7.** | सीधी भर्ती किये जाने वाले व्यक्तियों के लिए अपेक्षित न्यूनतम | **(क) अनिवार्य अर्हताए** :<br>किसी मान्यता प्राप्त स्कूल शिक्षा बोर्ड/संस्था से 8 वी श्रेणी या इसके |

| | | |
|---|---|---|
| | आयु और शैक्षणिक औीर अन्य अर्हताएं | समतुल्य होना चाहिए ।<br>**(ख) वांछनीय अर्हताएं:**<br>हिमाचल प्रदेश की रूढियों,रीतियों और बोलियों का ज्ञान और प्रदेश में विधमान विशिष्ट दशाओं में नियुक्ति के लिए उपयुकतता । |
| **8.** | सीधी भर्ती किये जाने वाले व्यक्तियों के लिए विहित आयु और शैक्षणिक अर्हताएं प्रोन्नति की दशा में लागू होंगी या नहीं | **आयु** लागू नहीं ।<br>**शैक्षणिक अर्हताएं:** लागू नहीं । |
| **9.** | परिवीक्षा की अवधि,यदि कोई हो । | दो वर्ष, जिसका एक वर्ष से अनधिक ऐसी और अवधि के लिए विस्तार किया जा सकेगा जैसा सक्षम अधिकारी विशेष परिस्थितियों में कारणों सहित अभिलिखित आदेश दे । |
| **10.** | भर्ती की पद्धति: भर्ती सीधी होगी प्रोन्नति, प्रतिनियुक्ति, स्थानान्तरण द्वारा और विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरे जाने वाले पदों की प्रतिशतता: | शत प्रतिशत सीधी भर्ती द्वारा यथास्थिति नियमित आधार पर या संविदा के आधार पर भर्ती द्वारा । संविदा पर नियुक्त कर्मचारी स्तम्भ 15–क मे दी गई उपलब्धियां प्राप्त करेगा और तथाकथित स्तम्भ मे विनिर्दिष्ट सेवा शर्तो द्वारा विनियमित होगा । |
| **11.** | प्रोन्नति, प्रतिनियुक्ति, स्थानान्तरण की दशा में श्रंणियां (ग्रेड) जिनसे प्रोन्नति, प्रतिनियुक्ति, स्थानान्तरण किया जाएगा । | **–लागू नहीं–** |
| **12.** | .यदि विभागीय प्रोन्नति समिति विद्यमान हो, उसकी संरचना । | **–लागू नहीं–** |
| **13.** | भर्ती करने में जिन परिस्थितियों में हि0 प्रदेश लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जायेगा । | जैसा विधि द्वारा अपेक्षित है । |
| **14.** | सीधी भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए अपेक्षा | किसी सेवा या पद पर नियुक्ति के लिये अभ्यार्थी को भारत का नागरिक होना आवश्यक है । |
| **15.** | सीधी भर्ती द्वारा नियुक्ति के लिए चयन: | सीधी भर्ती के मामले में पद पर नियुक्ति के लिए चयन मौखिक परीक्षा के आधार पर, किया जाएगा। यदि, भर्ती प्राधिकरण ऐसा करना आवश्यक या समीचीन समझे, तो लिखित परीक्षा या व्यावहारिक परीक्षा के आधार पर किया जाएगा जिसका स्तर / पाठयक्रम आदि भर्ती प्राधिकरण द्वारा अवधारित किया जाएगा। |

**15(क)** संविदा नियुक्ति द्वारा पद पर नियुक्ति कि लिए चयन :

इन नियमों मे किसी बात के होते हुए भी पद पर संविदा नियुक्ति निम्नलिखित शर्तो एव निबन्धनों के अध्यधीन की जाएगी :–

**1. संकल्पना:**

**क)** इस नीति के अधीन हिमाचल प्रदेश आयुर्वेद विभाग में **चपड़ासी** को संविदा के आधार पर प्रारम्भ में एक वर्ष के लिए लगाया जायेगा जिसे वर्षानुवर्ष आधार पर बढाया जा सकेगा।

परन्तु संविदा अवधि मे वर्षानुवर्ष आधार पर विस्तार / नवीकरण के लिए सम्बद्ध विभागाध्यक्ष यह प्रमाण पत्र जारी करेगा कि संविदा पर नियुक्त व्यक्ति की सेवा और आचरण वर्ष के दौरान संतोषजनक पाया गया है और केवल तभी उसकी संविदा की अवधि नवीकृत/विस्तारित की जाएगी ।

**ख) पदों का हिमाचल प्रदेश अधीनस्थ सेवाएं चयन बोर्ड के कार्यक्षेत्र से बाहर होना :**

निदेशक, आयुर्वेद, रिक्त पदों को संविदा के आधार पर भरने के लिए सरकार का अनुमोदन प्राप्त करने के पश्चात् रिक्त पदों के ब्यौरे कम से कम दो अग्रणी समाचार पत्रों में विज्ञापित करवाएगा और इन नियमों में यथा विहित अर्हता और अन्य पात्रता शर्तो को पूर्ण करने वाले अभ्यार्थियों से आवेदन आमत्रित करेगा।

**ग)** चयन इन नियमों में विहित पात्रता शर्तो के अनुसार किया जाएगा

2. **संविदात्मक उपलब्धिया:–**

संविदा के आधार पर नियुक्त **चपड़ासी** को रु **6200**/- की समेकित **नियत संविदात्मक** रकम (जो पे बैण्ड के न्यूनतम जमा ग्रेड पे के बराबर होगी) प्रतिमास संदत्त की जाएगी । यदि संविदा में एक वर्ष से अधिक की बढौतरी की जाती है, तो पश्चातवर्ती वर्ष के लिए **संविदात्मक** उपलब्धियों में 190/- रूपए की रकम (पद के पे बैण्ड के न्यूनतम जमा ग्रेड पे का **3** प्रतिशत के बराबर) की वार्षिक बढौतरी के रूप में अनुज्ञात की जाएगी ।

3.**नियुक्ति / अनुशासन प्राधिकारी:**

निदेशक आयुर्वेद हिमाचल प्रदेश नियुक्ति और अनुशासन प्राधिकारी होगा।

4. **चयन प्रकिया:**

संविदा नियुक्ति की दशा में पद पर नियुक्ति के लिए चयन मौखिक परीक्षा के आधार पर किया जायेगा या यदि आवश्यक या समीचीन समझा जाए तो लिखित परीक्षा या व्यवहारिक परीक्षा के आधार पर किया जाएगा जिसका स्तर / पाठयक्रम आदि सम्बद्ध भर्ती प्राधिकारी अर्थात निदेशक आयुर्वेद हिमाचल प्रदेश द्वारा अवधारित किया जाएगा।

**5. संविदात्मक नियुक्तियों के लिए चयन समिति :**

**जैसी** सम्बद्ध भर्ती प्राधिकारी अर्थात निदेशक आयुर्वेद हिमाचल प्रदेश द्वारा **समय–2 पर गठित की जाए।**

**6. करार:**

अभ्यार्थी को चयन के पश्चात् इन नियमों के साथ सलंग्न उपाबन्ध–ख के अनुसार करार हस्ताक्षरित करना होगा ।

**7. निबन्धन और शर्तें:**

**क)** संविदा के आधार पर नियुक्त सेवादार को 6200/—रूपये की **नियत संविदात्मक** रकम (जो पे बैण्ड के न्यूनतम जमा ग्रेड पे के बराबर होगी) प्रतिमास संदत्त की जाएगी । संविदा पर नियुक्त व्यक्ति आगे बढाए गए वर्ष/वर्षो के लिए **संविदात्मक** उपलब्धियों में 190/- रूपए की रकम (पद के पे बैण्ड के न्यूनतम जमा ग्रेड पे का **3** प्रतिशत के बराबर) की वृद्धि का हकदार होगा अन्य कोई सहबद्ध प्रसुविधाएं जैसे वरिष्ठ/चयन वेतनमान आदि नही दिया जाएगा ।

ख) संविदा पर नियुक्त व्यक्ति की सेवा पूर्णतया अस्थाई आधार पर होगी । यदि संविदा पर नियुक्त व्यक्ति का कार्य/आचरण संतोषजनक नहीं पाया जाता है तो उसकी नियुक्ति समाप्त किए जाने के लिए दायी होगी ।

ग) संविदा पर नियुक्त व्यक्ति एक माह की सेवा पूर्ण करने के उपरान्त 1 दिन के आकास्मिक अवकाश का हकदार होगा । यह अवकाश एक वर्ष तक संचित किया जा सकेगा । संविदा पर नियुक्त व्यक्ति को किसी प्रकार का अन्य कोई अवकाश अनुज्ञात नहीं होगा । वह चिकित्सा प्रतिपूर्ति और छुटटी यात्रा रियायत इत्यादि के लिए हकदार नहीं होगा । केवल प्रसूति अवकाश नियमानूसार देय होगा ।

घ) नियंन्त्रक अधिकारी के अनुमोदन के बिना सेवा से अनाधिकृत अनुपस्थिति से स्वतः ही संविदा का पर्यावसान (समाप्पन ) हो जायेगा । संविदा पर नियुक्त सेवादार, कर्तब्य (डयुटी ) से अपुपस्थिति की अवधि के लिए संविदात्मक रकम का हकदार नहीं होगा ।

ङ) संविदा पर नियुक्त व्यक्ति जिसने एक तैनाती के स्थान पर पांच वर्ष का कार्यकाल पूर्ण कर लिया है आवश्यकता के आधार पर स्थानान्तरण हेतु पात्र होगा जहां भी प्रशासनिक आधार ऐसा करना अपेक्षित हो ।

च) चयनित अभ्भयार्थियों को सरकारी/पंजीकृत चिकित्सा व्यवसायी से अपना अरोग्य प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना होगा । 12 सप्ताह से अधिक समय से गर्भवती महिला प्रसव होने तक ,अस्थाई तौर पर अनुपयुक्त समझी जायेगी । महिला अभ्भायर्थियों को किसी प्राधिकृत चिकत्सा अधिकारी/व्यवसायी द्वारा उपयुक्तता के लिए पुनः परीक्षण किया जायेगा ।

छ) संविदा पर नियुक्त सेवादार का यदि अपने पदीय कर्तव्य के सम्बन्ध में दौरे पर जाना अपेक्षित हो ,तो वह उसी दर पर जैसे नियमित **चपड़ासी** को वेतनमान पे बैण्ड के न्यूनतम पर लागु है, यात्रा भत्ते/दैनिक भत्ते का हकदार होगा ।

ज) नियमित कर्मचारियों की दशा मे यथा लागू सेवा नियम के उपबन्ध जैसे कि एफ आर - एस आर, अवकाश नियम, भविष्य निधि नियम, और आचरण नियम इत्यादि संविदा पर नियुक्त व्यक्तियों की दशा मे लागू नही होंगे । वे इस स्तम्भ मे यथावर्णित उपलब्धियों आदि के लिए हकदार होंगे ।

**16.** आरक्षण

सेवा में नियुक्ति ,हि0 प्र0 सरकार द्वारा समय–समय पर अनुसूचित जातियों /अनुसूचित जन जातियों/अन्य पिछडे वर्गो और अन्य प्रवर्ग के व्यक्तियों के लिए सेवाओं में आरक्षण की बाबत जारी

किये गए आदेशों के अधीन होगी ।

**17.** विभागीय परीक्षा — लागू नहीं ।

**18.** शिथिल करने की शक्ति — जहॉ राज्य सरकार की यह राय हो कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है वहॉ यह कारणों को लिखित मे अभिलिखित करके आदेश द्वारा, इन नियमों के किन्हीं उपबन्धों को किसी वर्ग या व्यक्ति के प्रवर्ग या पदों की बावत शिथिल कर सकेगी ।

**उपाबन्ध–ख**

**चपड़ासी और हिमाचल प्रदेश सरकार के मध्य निदेशक आयुर्वेद हिमाचल प्रदेश के माध्यम से निष्पादित की जाने वाली संविदा / करार का प्रारूप ।**

यह करार श्री / श्रीमती .....पुत्र / पुत्री श्री ..... ..... निवासी....., संविदा पर नियुक्त व्यक्ति ( जिसे इसमें इसके पश्चात ''प्रथम पक्षकार'' कहा गया है ) और हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, के मध्य निदेशक आयुर्वेद, हिमाचल प्रदेश (जिसे इसमें इसके पश्चात ''द्वितीय पक्षकार'' कहा गया है ) के माध्यम से आज तारीख..... को किया गया ।

''द्वितीय पक्षकार'' ने उपरोक्त ''प्रथम पक्षकार'' को लगाया है और ''प्रथम पक्षकार'' ने **चपड़ासी** के रूप में संविदा के आधार पर निम्नलिखित निबन्धन और शर्तो पर सेवा करने के लिए सहमति दी है:–

01.यह कि प्रथम पक्षकार चपड़ासी के रूप में.....से प्रारम्भ होने और ..... समाप्त होने वाले दिन तक एक वर्ष की अवधि के लिए द्वितीय पक्षकार की सेवा में होगा । यह विनिर्दिष्ट रूप से उल्लिखित किया गया है और दोनों पक्षकारों द्वारा करार पाया गया है कि प्रथम पक्षकार की द्वितीय पक्षकार के साथ संविदा,आखिरी कार्य दिवस को अर्थात.....दिन को सवंयमेवही पर्यावसित (समापन) हो जायेगी और सूचना नोटिस आवश्यक नहीं होगा ।

परन्तु संविदा अवधि मे वर्षानुवर्ष आधार पर विस्तार / नवीकरण के लिए सम्बद्ध विभागाध्यक्ष यह प्रमाण पत्र जारी करेगा कि संविदा पर नियुक्त व्यक्ति की सेवा और आचरण वर्ष के दौरान संतोषजनक पाया गया है और केवल तभी उसकी संविदा की अवधि नवीकृत /विस्तारित की जाएगी ।

02.प्रथम पक्षकार का संविदात्मक वेतन रु 6200 /- प्रतिमास होगा ।

03.प्रथम पक्षकार की सेवा बिल्कुल अस्थाई आधार पर होगी । यदि संविदा पर नियुक्त व्यक्ति का कार्य/ आचरण ठीक नहीं पाया जाता है या यदि नियमित पदधारी उस रिक्ति के विरूद्ध नियुक्त /तैनात कर दिया जाता है जिसके लिए प्रथम पक्षकार को संविदा पर लगाया गया है तो नियुक्ति समाप्त (पर्यवसित) की जाने के लिए दायी होगी ।

04.संविदा पर नियुक्त चपड़ासी एक मास की सेवा पूरी करने के पश्चात एक दिन के आकस्मिक अवकाश का हकदार होगा । यह अवकाश एक वर्ष तक संचित किया जा सकेगा । संविदा पर नियुक्त चपड़ासी को किसी भी प्रकार का अन्य कोई अवकाश अनुज्ञात नहीं होगा । वह चिकित्सा प्रतिपूर्ति और एल0टी0सी0 इत्यादि के लिए भी हकदार नहीं होगा/ होगी । केवल प्रसूति अवकाश नियुमानुसार दिया जायेगा ।

05 नियन्त्रक अधिकारी के अनुमोदन के बिना कर्त्तवयों से अनाधिकृत अनुपस्थिति से स्वतः ही संविदा का पर्यावसान (समापन) हो जायेगा । संविदा पर नियुक्त चपड़ासी कर्तवय(डियूटी) से अनुपस्थिति की अवधि के लिए वेतन का हकदार नहीं होगा

06 संविदा पर नियुक्त व्यक्ति जिसने तैनाती के एक स्थान पर पांच वर्ष का कार्यकाल पूर्ण कर लिया है आवश्यकता के आधार पर स्थानान्तरण हेतु पात्र होगा जहां भी प्रशासनिक आधार ऐसा करना अपेक्षित हो

07 चयनित अभ्भयर्थी को सरकारी / पंजीकृत चिकित्सा व्यवसायी से अपना अरोग्य प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना होगा । महिला अभयर्थियों की दशा मे 12 सप्ताह से अधिक की गर्भावस्था प्रसव होने तक , उसे अस्थाई तौर पर अनुपयुक्त बना देगी । महिला अभ्भायर्थियों को किसी प्राधिकृत चिकत्सा अधिकारी / व्यवसायी द्वारा उपयुक्तता के लिए पुनः परीक्षण किया जायेगा ।

08 **संविदा पर नियुक्त व्यक्ति का, यदि अपने पदीय कर्तव्यों के सम्बन्ध में दौरे पर जाना अपेक्षित हो, तो वह उसी दर पर, जैसी की नियमित प्रतिस्थानी अधिकारी को वेतनमान के न्यूनतम पर लागू है, यात्रा भत्ते/दैनिक भत्ते का हकदार होगा/होगी ।**

09 **संविदात्मक नियुक्त व्यक्ति(यों) को** कर्मचारी **सामूहिक जीवन बीमा योजना के साथ-साथ ई0पी0एफ0/जी0पी0एफ0 भी लागू नहीं होगा ।**

**इसके साक्ष्यस्वरूप प्रथम पक्षकार और द्वितीय पक्षकार ने साक्षियों की उपस्थिति में इसमें सर्वप्रथम उल्लिखित तारीख को अपने अपने हस्ताक्षर कर दिए हैं ।**

साक्षी की उपस्थिति में

1.....

.....

( नाम व पूरा पता)

2.....

..... प्रथम पक्षकार के हस्ताक्षर

(नाम व पूरा पता)

साक्षी की उपस्थिति में

1.....

.....

(नाम व पूरा पता)

2.....

..... द्वितीय पक्षकार के हस्ताक्षर

(नाम व पूरा पता)

[*Authoritative English Text of this Department's Notification No. Ayur-A(3)-1/2009 dated 3rd September, 2010, as required under clause (3) of Article 309 of the Constitution of India*].

**AYURVEDA DEPARTMENT**

NOTIFICATION

*Shimla*-171 002, *the* 3*rd September,* 2010

**No. Ayur-A(3)-1/2009.—**In exercise of the powers conferred by proviso of Article 309 of the Constitution of India, the Governor, Himachal Pradesh, is pleased to make the Recruitment & Promotion Rules of the post of Peon, Class-IV (Non Gazetted) in the Department of Ayurveda, Himachal Pradesh, as per Annexure-A attached to this notification, namely:-

**Short title & Commencement.** **1.** (1) These rules may be called the H.P. Department of Ayurveda, Peon, Class-IV (Non Gazetted) Recruitment & Promotion Rules, 2010.

(2) These rules shall come into force from the date of publication in the Rajpatra, Himachal Pradesh.

**Repeal and Savings:** **2.** (1) The Himachal Pradesh Department of Indian System of Medicine & Homeopathy, Class-IV Karamchari (Non Gazetted) Recruitment and Promotion Rules, 1992, notified vide this Department's notifications No. Health(C)-A(3)-29/84- dated: 25.03.1992 are hereby repealed.

(2) Notwithstanding such repeal, any appointment made or anything done or any action taken under the relevant rules so repealed under sub rule (1) supra shall be deemed to have been validly made, done or taken under these rules.

**By Order**

**Principal Secretary (Ayurveda) to the Government of Himachal Pradesh.**

---

**ANNEXURE-"A"**

**RECRUITMENT AND PROMOTION RULES OF THE POST OF PEON (NON-GAZETTED) IN THE DEPARTMENT OF AYURVEDA, HIMACHAL PRADESH.**

| | | |
|---|---|---|
| **1.** | **Name of the post:** | **Peon.** |
| **2.** | **Number of posts:** | 1080 (One thousand eighty). |
| **3.** | **Classification:** | Class-IV (Non-Gazetted). |

| | | |
|---|---|---|
| **4.** | **Scale of pay:** | **(i) Pay scale for regular incumbents :**<br>Rs. 4900-10680 plus Grade pay Rs. 1300/-<br>**(ii) Emoluments for Contract employees:-**<br>The contract appointee will be paid fixed salary @ Rs. 6200/-per month as per details given in Col.No.15-A. |
| **5.** | **Whether selection post or non selection:** | Not Applicable. |
| **6.** | **Age for direct recruitment:** | Between 18 and 45 years.<br><br>Provided that the upper age limit for direct recruits will not be applicable to the candidates already in service of the Govt. including those who have been appointed on adhoc basis or on contract basis:<br><br>Provided further that if a candidates appointed on adhoc basis or on contract basis had become overage on the date when he was appointed as such, he shall not be eligible for any relaxation in the prescribed age limit by virtue of his such adhoc or contract appointment:<br><br>Provided further that upper age limit is relaxable for Scheduled Castes/Scheduled Tribes/Other categories of persons to the extent permissible under the general or special order(s) of Himachal Pradesh Government.<br><br>Provided further that the employees of all the Public Sector Corporations and Autonomous Bodies who happened to be Government servants before absorption in Public Sector Corporations and Autonomous Bodies at the time of initial constitution of such Corporations and Autonomous Bodies shall be allowed age concession in direct recruitment as admissible to the government servants. This concession will not, however be admissible to such staff of the Public Sector Corporations and Autonomous Bodies and who are/were finally absorved in the service of such Public Sector Corporations and Autonomous Bodies.<br>(1) Age limit for direct recruitment will be reckoned on the first day of the year in which the post(s) is/are advertised or inviting application or notified to the employment Exchanges or as the case may be. |

| | | |
|---|---|---|
| | | (2) Age and experience in the case of direct recruitment relaxable at the discretion of the recruiting Authority in case the candidate is otherwise well qualified. |
| 7. | **Minimum educational qualification and other qualification for direct recruitment:** | (a) **Essential Qualification:** Should be Middle pass or its equivalent from a recognized Board of School Education/Institution.<br>(b) **Desirable Qualification:** Knowledge of customs, manners and dialects of Himachal Pradesh and suitability for appointment in the peculiar condition prevailing in the Pradesh. |
| 8. | **Whether age and educational qualification prescribed for direct recruitment will apply in the case of promotee(s):** | (a) **Age:** Not Applicable.<br>(b) **Education qualification:** Not Applicable. |
| 9. | **Period of probation, if any:** | 2 (Two) years subject to such further extension for a period not exceeding one year as may be ordered by the competent authority in special circumstances and reasons to be recorded in writing. |
| 10. | **Method of recruitment, whether by direct recruiting agency and recruitment by promotion, deputation, transfer and the percentage of post(s) to be filled in by various methods:** | 100% by direct recruitment on a regular basis or on contract basis as the case may be. The contract appointee will get emoluments as given in Col. No. 15 (A) and will be governed by the service conditions as specified in the said columns. |
| 11. | **In case of recruitment by promotion, deputation, transfer, grade from which promotion/deputation/transfer is to be made:** | Not Applicable. |
| 12. | **If a Departmental Promotion Committee exists, what is its composition?** | Not Applicable. |
| 13. | **Circumstances under which the H.P.P.S.C is to be consulted in making recruitment:** | As required under the law. |
| 14. | **Essentail requirement for direct recruitment:** | A candidate for appointment to any service or post must be a citizen of India. |
| 15. | **Selection for appointment to the post by direct recruitment:** | Selection for appointment to the post in case of direct recruitment shall be made on the basis of viva-voce test. If the recruiting authority, so consider necessary or expedient by a written |

test, or practical test,the standard /syllabus etc. of which will be determined by the recruiting authority.

**15 (A) Selection for appointment to the post by contract recruitment:**

Notwithstanding anything contained in these rules, contract appointments to the post will be made subject to the terms and conditions given below:-

**(I) CONCEPT**:

**(a)** Under this policy the Peon in the Department of Ayurveda will be engaged on contract basis initially for one year, which may be extendable on year to year basis.

Provided that for extenstion/renewal of contract period on year to year basis the concerned Head of Department shall issue a certificate that the service and conduct of the contract appointee is satisfactory during the year and only then his period of contract is to be renewed/extended.

**(b) POST FALLS OUT OF THE PURVIEW OF HP SSSB:-**

The Director Ayurveda after obtaining the approval of the Government to fill up the posts on contract basis will advertise the details of the vacant posts in at least two leading newspapers and invite applications from candidates having the prescribed qualifications and fulfilling the other eligibility conditions as prescribed in these rules.

**(c)** The selection will be made in accordance with the eligibility conditions prescribed in these Rules.

**(II) CONTRACTUAL EMOLUMENTS:-**

The Peon appointed on contract basis will be paid consolidated fixed contractual amount @ Rs. 6200/- PM (which shall be equal to minimum of Pay Band + Grade pay). An amount of Rs. 190/- (3% of minimum of Pay Band + Grade pay) as annual increase in the contractual emoluments for the subsequent year(s) will be allowed if contract is extended beyond one year.

**(III) APPOINTMENT/ DISCIPLINARY AUTHORITY**:-

The Director, Ayurveda, HP will be appointing

and disciplinary authority.

**(IV) SELECTION PROCESS**:-

Selection for appointment to the post in the case of Contract Appointment will be made on the basis of viva-voce test or if considered necessary or expedient by a written test or practical test, the standard/syllabus etc. of which will be determined by the concerned competent /recruiting authority i.e. Director of Ayurveda.

**(V) COMMITTEE FOR SELECTION OF CONTRACTUAL APPOINTMENTS:**

As may be constituted by the concerned recruiting authority i.e. Director of Ayurveda from time to time.

**(VI) AGREEMENT:**

After selection of a candidate, he/she shall sign an agreement as per Annexure-B appended to these Rules.

**(VII) TERMS AND CONDITIONS:-**

(a) The contract appointee will be paid fixed contractual amount of Rs. 6200/- PM (which shall be equal to minimum of Pay Band + Grade pay). The contrat appointee will be entitled for increase in contractual amount of Rs. 190/- (3% of minimum of Pay Band + Grade pay) for further extended years and no other allied benefits as such senior/selection scales etc. will be given.

(b) The service of the Contract Appointment will be purely on temporary basis. The appointment is liable to be terminated in case the performance/ conduct of the contract appointee is not found satisfactory.

(c) Contractual Appointee will be entitled for one day casual leave after putting one month service. This leave can be accumulated up to one year. No leave of any other kind is admissible to the contract appointee. He/She shall not be entitled for Medical reimbursement and LTC etc. only maternity leave will be given as per rules.

(d) Unauthorized absence from the duty without the approval of the controlling Officer shall automatically lead to the termination of the contract. Contract Appointee shall not be entitled for contractual amount for the period of absence from duty.

| | | |
|---|---|---|
| | | (e) An official appointed on contract basis who have completed five years tenure at one place of posting will be eligible for transfer on need based basis wherever required on administrative grounds.<br>(f) Selected candidate will have to submit a certificate of his/her fitness from a Government/ Registered Medical Practitioner. Women candidate pregnant beyond 12 weeks will stand temporarily unfit till the confinement is over. The women candidate will be re-examined for the fitness from an authorized Medical Officer/Practioner.<br>(g) Contract appointee will be entitled to TA/DA, if required to go on tour in connection with his/her official duty at the same rate as applicable to the regular officials at the minimum of pay scale/pay band.<br>(h) Provisions of services rules like FRSR, Leave Rules, GPF Rules, Pension Rules & Conduct Rules etc. are applicable in case of regular employees will not be applicable in case of contract appointee. They will be entitled for emoluments etc. as detailed in this column. |
| **16.** | **Reservation:** | The appointment to the service shall be subject to orders regarding reservation in the service for Scheduled Caste/ Scheduled Tribes/ Other Backward Classes/ other categories of persons issued by the Himachal Pradesh Government from time to time. |
| **17.** | **Departmental Examination:** | Not Applicable. |
| **18.** | **Powers to relax:** | Where the State Government is of the opinion that it is necessary or expedient to do so, if may, by order for reasons to be recorded in writing relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of person(s) or post(s). |

**ANNEXURE-"B"**

**FORM OF CONTRACT/AGREEMENT TO BE EXECUTED BETWEEN THE PEON AND THE GOVERNMENT OF HIMACHAL PRADESH THROUGH DIRECTOR OF AYURVEDA.**

This agreement is made on this _____ day of _____ in the year _____ between Shri/Smt. _____ son/daughter of Shri _____ _____ R/O _____ _____ contract appointee (hereinafter called the FIRST PARTY), AND the Governor, Himachal Pradesh through Director of Ayurveda, Himachal Pradesh (hereinafter called the SEOND PARTY). Whereas, the SECOND PARTY has engaged the aforesaid FIRST PARTY and FIRST PARTY has agreed to serve as a Peon on contract basis on the following terms and conditions:-

1. That the FIRST PARTY shall remain in the service of the SECOND PARTY as Peon for a period of one year commencing on the _____ day of _____ and ending on the _____ day of _____. It is specifically mentioned and agreed upon by both the parties that the contract of the FIRST PARTY with SECOND PARTY shall ipso facto stand terminated on the last working day i.e. on _____ and information notice shall not be necessary.

   Provided that for extenstion/renewal of contract period on year to year basis the concerned Head of Department shall issue a certificate that the service and conduct of the contract appointee is satisfactory during the year and only then his period of contract is to be renewed/extended.
2. The contract salary of the FIRST PARTY will be Rs. 6200/- per month.
3. The service of FIRST PARTY will be purely on temporary basis. The appointment is liable to be terminated in case the performance/conduct of the contract appointee is not found good or if a regular incumbent is appointed/ posted against the vacancy for which the first party was engaged on contract..
4. Contractual Peon will be entitled for one day casual leave after putting one month service. This leave can be accumulated up to one year. No leave of any kind is admissible to the contractual Peon. He will not be entitled for any kind of Medical Reimbursement and LTC etc. Only maternity leave will be given as per rules.
5. Unauthorised absence from the duty without the approval of the Controlling Officer shall automatically lead to the termination of the contract. A contractual Peon will not be entitled for contractual amount for the period of absence from duty.
6. An official appointed on contract basis who have completed five years tenure at one place of posting will be eligible for transfer on need based basis wherever required on administrative grounds.
7. Selected candidate will have to submit a certificate of his/her fitness from a Government/ Registered Medical Practitioner. Women candidate pregnant beyond 12 weeks will stand temporarily unfit till the confinement is over. The women candidate will be re-examined for the fitness from an authorized Medical Officer/Practioner.
8. Contract appointee shall be entitled to TA/DA if required to go on tour in connection with his/her official duties at the same rates as applicable to regular counterpart officer at the minimum of the pay scale.

9. The Employees Group Insurance Scheme will not be applicable to the comntractual appointee(s) as well as EPF/GPF.

IN WITNESS THE FIRST PARTY & SECOND PARTY HAVE HEREIN TO SET THEIR HANDS THE DAY, MONTH & YEAR FIRST, ABOVE WRITTEN :-

In the presence of witness:-

1. _____

   Name _____
   Address _____
   _____
   _____

2. _____

   Name _____
   Address _____
   _____
   _____ (Signed by first Party)

In the presence of witness:-

1. _____

   Name _____
   Address _____
   _____
   _____

2. _____

   Name _____
   Address _____
   _____
   _____ (Signed by second Party)

**HIGH COURT OF HIMACHAL PRADESH, SHIMLA - 171 001**

NOTIFICATION

*Shimla, the* 1*st September,* 2010

**No. HHC/Admn.16(18)96-I.—**Hon'ble the Chief Justice, in exercise of the powers vested in him U/S 139(b) of the Code of Civil Procedure, 1908, U/S 297(b) of the Code of Criminal Procedure, 1973 and Rule 5(vi) of the H.P. Oath Commissioners (Appointment & Control) Rules, 2007 has been pleased to appoint Sh. Hans Raj, Advocate, Rampur Bushahr, H.P., as Oath Commissioner for a period of two years, with immediate effect, for administering oaths and affirmations on affidavits to the deponents, under the aforesaid Codes and Rules.

By order,
Sd/-
*Rregistrar General*

---

**HIGH COURT OF HIMACHAL PRADESH, SHIMLA - 171 001**

NOTIFICATION

*Shimla, the* 1*st September,* 2010

**No. HHC/Admn.16 (21)75-III.—**Hon'ble the Chief Justice, in exercise of the powers vested in him U/S 139(b) of the Code of Civil Procedure, 1908, U/S 297(b) of the Code of Criminal Procedure, 1973 and Rule 5(vi) of the H.P. Oath Commissioners (Appointment & Control) Rules, 2007 has been pleased to appoint Ms. Lalita Verma and Ms. Suman Kashyap, Advocates of H.P. High Court, as Oath Commissioners for the High Court of Himachal Pradesh, Shimla with effect from 20.9.2010, for a period of two years, for administering oaths and affirmations on affidavits to the deponents, under the aforesaid Codes and Rules.

By order,
Sd/-
*Rregistrar General.*

---

**HIGH COURT OF HIMACHAL PRADESH, SHIMLA – 171 001**

NOTIFICATION

*Shimla, the* 30*th August,* 2010

**No. HHC/Admn.6 (23)/74–XIV.—**Hon'ble the Chief Justice in exercise of the powers vested in him under Rule 1.26 of H.P. Financial Rules, 1971, Volume-I, has been pleased to declare the Civil Judge (Jr. Division)-cum-JMIC(II), Paonta Sahib as Drawing and Disbursing Officer in respect of the Court of Civil Judge (Sr. Division)-cum-JMIC(I), Paonta Sahib and also the Controlling Officer for the purpose of T.A. etc. in respect of the establishment attached to the aforesaid Court under head "2014–Administration of Justice" during the leave period of Shri Ajay Mehta, Civil Judge (Sr. Division)-cum-JMIC(I), Paonta Sahib w.e.f. 25.8.2010 to 1.9.2010 with

permission to prefix gazetted holiday fell on 24.8.2010 and to suffix gazetted holiday falling on 2.9.2010, or till he returns from leave.

By order,
Sd/-
*Rregistrar General.*

---

**HIGH COURT OF HIMACHAL PRADESH, SHIMLA - 171 001**

NOTIFICATION

*Shimla, the 1st September, 2010*

**No. HHC/GAZ/14-270/2003.—**Hon'ble the Chief Justice has been pleased to grant ex post facto sanction of five days' commuted leave for 9.8.2010 to 13.8.2010 with permission to prefix 8.8.2010 being Sunday and to suffix 14.8.2010 and 15.8.2010 being second Saturday and Sunday in favour of Shri Yajuvender Singh, Civil Judge (Jr. Division)-cum-JMIC(III), Una, H.P.

Certified that Shri Yajuvender Singh has joined the same post and at the same station from where he proceeded on leave, after expiry of the above period of leave.

Also certified that Shri Yajuvender Singh would have continued to hold the post of Civil Judge (Jr. Division)-cum-JMIC(III), Una but for his proceeding on leave for the above period.

By order,
Sd/-
*Rregistrar General.*

---

**HIGH COURT OF HIMACHAL PRADESH, SHIMLA - 171 001**

NOTIFICATION

*Shimla, the 1st/3rd September, 2010*

**No. HHC/GAZ/14-181/87.—**Hon'ble the Chief Justice has been pleased to grant 15 days earned leave w.e.f. 3.9.2010 to 17.9.2010 with permission to prefix Gazetted holiday falling on 2.9.2010 in favour of Shri T.S. Kaisth, Presiding Officer, Fast Track Court, Solan, H.P.

Certified that Shri T.S. Kaisth is likely to join the same post and at the same station from where he proceeds on leave, after expiry of the above period of leave.

Also certified that Shri T.S. Kaisth would have continued to hold the post of Presiding Officer, Fast Track Court, Solan, H.P. but for his proceeding on leave for the above period.

By order,
Sd/-
*Rregistrar General.*

**HIGH COURT OF HIMACHAL PRADESH, SHIMLA - 171 001**

NOTIFICATION

*Shimla, the* 30*th August,* 2010

**No. HHC/GAZ/14-231/97.—**Hon'ble the Chief Justice has been pleased to grant 8 days' earned leave w.e.f. 25.8.2010 to 1.9.2010 with permission to prefix gazetted holiday fell on 24.8.2010 and to suffix gazetted holiday falling on 2.9.2010 in favour of Shri Ajay Mehta, Civil Judge (Senior Division)-cum-JMIC(I), Paonta Sahib, District Sirmaur, H.P.

Certified that Shri Ajay Mehta is likely to join the same post and at the same station from where he proceeds on leave, after expiry of the above period of leave.

Also certified that Shri Ajay Mehta would have continued to hold the post of Civil Judge (Senior Division)-cum-JMIC(I), Paonta Sahib, District Sirmaur, H.P. but for his proceeding on leave for the above period.

By order,
Sd/-
*Rregistrar General.*

———

**HIGH COURT OF HIMACHAL PRADESH, SHIMLA -171 001**

NOTIFICATION

*Shimla, the* 31*st August,* 2010

**No. HHC/Admn.6 (18)77-VII.—**In continuation of this Registry Notification No. HHC/Admn.6(18) 77-VIII-23370-89, dated 1.9.2009, the Hon'ble High Court in exercise of the powers vesting in it under Section 13 of the Code of Criminal Procedure, 1973, has been pleased to extend the powers of Special Judicial Magistrate 1st Class, upon Sh. K.K. Sharma, Assistant Commissioner, Municipal Corporation, Shimla, for one year, to try the offences detailed in Schedule-II of Section 383 and 352 of the Himachal Pradesh Municipal Corporation Act, 1994 with power to try the aforesaid offences, summarily under section 260 of the Code of Criminal Procedure, 1973, within the local limits of Municipal Corporation, Shimla.

By order,
Sd/-
*Rregistrar General.*

**HIGH COURT OF HIMACHAL PRADESH, SHIMLA – 171 001**

NOTIFICATION

*Shimla, the 3rd September, 2010*

**No. HHC/GAZ-10-28/78-III.—**The Hon'ble High Court of Himachal Pradesh, in exercise of the powers vested in it under Section 11 of the H.P. Courts Act, 1976 and in continuation of this Registry Notification No.HHC/GAZ/10-28/78-II-6423-6445, dated 29.3.2007, has been pleased to order that in addition to existing and already functioning Courts of Civil Judges (Senior Division) in Himachal Pradesh, the following Courts of Civil Judges (Junior Division) be also designated as the Courts of Civil Judges (Senior Division) in H.P. with immediate effect :-

1. The Court of Civil Judge (Jr. Division), Court No.II, Shimla.
2. The Court of Civil Judge (Jr. Division), Court No.I, Ghumarwin, District Bilaspur, H.P.
3. The Court of Civil Judge (Jr. Division), Court No.I, Amb, District Una, H.P.
4. The Court of Civil Judge (Jr. Division), Nadaun, District Hamirpur, H.P.
5. The Court of Civil Judge (Jr. Division), Sarkaghat, District Mandi, H.P.

By order,
Sd/-
*Rregistrar General*

---

**GOVERNMENT OF HIMACHAL PRADESH**
**DEPARTMENT OF HOME, SECTION-D.**

....

**No. Home-D-A(2)-1/99(PF), dated Shimla-2, the 28th July, 2010.**

**OFFICE MEMORANDUM**

In partial modification of OM No. Home-D(A-2)-1/90 (Part File), dated 19.09.2002, this is hereby ordered that the following shall be inserted at Sr. No. (iv) of part 1 of the said memorandum which deals with Trainings / courses:

**(iv) All Short Term Training programmes of up to 15 days duration and being held in Government / Semi - Government training institutions within India or courses, for which there is no fees payable for such training programme.**

By Order

Pr. Secretary (Home) to the
Government of Himachal Pradesh.

ब अदालत श्री के0 आर0 भारद्वाज, सहायक समाहर्ता प्रथम श्रेणी, बन्जार, जिला कुल्लू, हिमाचल प्रदेश

केस नं0 4–टी ऑफ 2009.

सर्वश्री ललित कुमार, रोशन लाल, देवराज, सुभाष चन्द पुत्रगण स्वर्गीय श्री केशव राम, गांव जौउल, फाटी कनौन, कोठी बूगा, उप–तहसील सैंज, जिला कुल्लू, हिमाचल प्रदेश .. प्रार्थीगण।

बनाम

1. श्री मनमोहन लाल पुत्र दीवान चन्द पुत्र श्री रतन चन्द, निवासी गांव व फाटी कनौन, कोठी बूगा, उप–तहसील सैंज, जिला कुल्लू, हिमाचल प्रदेश, 2. आम जनता .. प्रत्यार्थीगण।

उपरोक्त प्रार्थीगण ने इस न्यायालय मे दावा दायर कर रखा है कि भूमि खेवट / खतौनी नं0 424 / 502, खसरा नं0 1103, रकबा तादादी 5–18–0 बीघा स्थित फाटी कनौन, कोठी बूगा, उप–तहसील सैंज, जिला कुल्लू पर उनका कब्जा काश्त अरसा 35 सालों से चला आ रहा है। प्रार्थीगण ने अपने प्रार्थना–पत्र / दावा में यह भी वर्णित कर रखा है कि यह भूमि उन्हें प्रत्यार्थी मनमोहन लाल के पिता श्री दीवान चन्द जो अब मृत्यु पा चुका है ने बराए काश्त सौंपी थी तथा कागजात माल में प्रत्यार्थी मालक अराजी दर्ज है। तब से आज दिन तक प्रार्थीगण इस भूमि को लगातार काश्त करते चले आ रहे हैं। इसके अलावा प्रार्थीगण ने अपने प्रार्थना–पत्र / दावा में यह जिक्र भी कर रखा है कि प्रत्यार्थी काफी लम्बे अरसा से जहां भूमि स्थित है में नहीं रह रहा है तथा उसका कोई भी अता–पता नहीं है।

अतः इस इश्तहार द्वारा प्रत्यार्थी एवं आम जनता को सूचित किया जाता है कि वह दिनांक 15–9–2010 को असालतन / वकालतन इस न्यायालय में उपस्थित आकर अपना पक्ष एवं एतराज रख सकते हैं। उपरोक्त तिथि पर किसी के न उपस्थित होने की सूरत में उनके खिलाफ एकतरफा कार्यवाही अमल में लाई जाएगी व प्रार्थीगणों के नाम उक्त भूमि की काश्त दर्ज करने बारे अगली कार्यवाही अमल में लाई जाएगी।

आज दिनांक 4–2–2010 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर न्यायालय द्वारा जारी किया गया।

मोहर।

के0 आर0 भारद्वाज,
सहायक समाहर्ता प्रथम श्रेणी,
बन्जार, जिला कुल्लू, हिमाचल प्रदेश।

नियन्त्रक, मुद्रण तथा लेखन सामग्री, हिमाचल प्रदेश, शिमला–5 द्वारा मुद्रित तथा प्रकाशित